THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI KALP NATH RAI): (a) As per available information average cost of generation of a unit electricity from thermal, hydcl and gas based stations based on annual accounts of the State Electricity Boards for the year 1990-91, was as under:—

Thermal	—76.31 paisc/kwh
Hydel	—14.10 Paisc/kwh
Gas	—70.43 Paisc/kwh

(b) Yes, Sir.

(c) The annual account of the State Electricity Boards arc laid before the respective State Legislatures as per requirement under Section 69 (5) (a) of Electricity Supply Act 1948.

Setting up of a Thermal Power Plant at Visakhapatnam

210. SHRI MENTAY PADMANABHAM: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government of Andhra Pradesh propose to set-up a 1000 MW thermal power plant at Visakhapatnam in collaboration with Mission Energy, U.S.A.;

(b) if so, what is the present status thereof;

(c) whether it is also a fact that the Mission Energy threatened to pull out of collaboration;

(d) if so, what arc the reasons therefor;

(e) whether it is true that Government of Andhra Pradesh approached the Central Government to intervene in this matter; and

(f) if so, the details of the action taken by the Central Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI KALP NATH RAI):(a) A consortium of mission Energy Company (USA) and Ashok Leyland Limited (India) has signed a MOU with APSEB for setting up a 1000 MW thermal power Plant at Visakhapatnam.

(b) to (f) The consortium has raised certain issues to be resolved before proceeding further with the proposal. The discussions period has accordingly been extended by APSEB up to 31.1.1993 as requested by the consortium.

Electricity Requirement for the Year 2000 A.D.

211. SHRI S.K.T. RAMACHAND-RAN: Will the Minister of POWER be pleased to stated:

(a) whether any projection on the requirement of electric power in India for the year 2000 A.D. has been made by Government;

(b) if so, what is the projected demand for that year; and

(c) what are the percentages of increase of this projected demand to the actual (i) requirement, (ii) generation and (iii) consumption of electric power in India in the year 1991-92?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI KALP NATH RAI): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) As per the 14 Electric Power Survey, the projected demand for the year 1999-2000 and the percentage increase over the demand for the year

1991-92 is as under:—

	1991-92		1999-2000		Increase	
	Require-ment	Avail-ability	Require-ment	Avail-ability	Require-ment	Avail-ability
Peak load (M.W.)	48035	39027	91191	—	43156 89.8%	—
Energy (MU)	287836	265141	517005	—	229169 79%	—

As the 9th Five Year Plan capacity target is not known, figures of availability and percentage increases for 1999-2000 arc not available.

राजस्थान की लम्बित विद्युत परियोजनाएं

212. **श्री शिवचरण सिंह:** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजस्थान में विद्युत की आवश्यकता और वर्तमान उपलब्धता कितनी है;

(ख) राजस्थान की उन विद्युत परियोजनाओं के नाम क्या हैं जो केन्द्रीय सरकार के पास विचार और स्वीकृति के लिए इस समय लम्बित हैं;

(ग) पिछले वर्ष के दौरान और चालू वर्ष में अब तक इन परियोजनाओं की स्वीकृति और विद्युत आपूर्ति के लिए क्या प्रयास किए गए हैं और यदि कोई प्रयास नहीं किए गए तो उसके कारण क्या हैं; और

(घ) राजस्थान की लिग्नाइट और गैस आधारित परियोजनाओं को कब तक स्वीकृति दे दी जाएगी और क्या विद्युत उत्पादन की और भी योजनाएं हैं; यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) अप्रैल-अक्तूबर, 1992 की अवधि के दौरान राजस्थान की ऊर्जा की आवश्यकता 7527 मिलियन यूनिट थी इसकी अपेक्षा 7368 मिलियन यूनिट ऊर्जा उपलब्ध थी।

(ख) और (ग) राजस्थान राज्य के लिए इस समय केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में कोई जल विद्युत स्कीम विचाराधीन नहीं है। तथापि, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में निम्नलिखित नई ताप विद्युत स्कीमों पर विचार किया जा रहा है;

(1) धौलपुर ताप विद्युत केन्द्र 3×250 मे०वाट०—आर०एस०ई०बी०

(2) रामगढ़ गैस आधारित केन्द्र 160 मेगावाट—आर०एस०ई०बी०

(3) मैसर्स सेन्च्यूरी टैक्सटाइल इण्डस्ट्रीज़ लि० का चित्तौड़गढ़ विद्युत केन्द्र 1×500 मेगावाट

परियोजनाएं केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा तकनीकी-आर्थिक दृष्टि से स्वीकृति प्रदान किए जाने की स्थिति में नहीं है क्योंकि परियोजना प्राधिकारियों द्वारा अपेक्षित निवेश/स्वीकृतियां यथा कोयला लिंकेज, जल की उपलब्धता, पर्यावरणीय स्वीकृति और सम्बद्ध पारेषण प्रणाली सुनिश्चित नहीं की गई है।

(घ) भिन्न-भिन्न भार प्रचालन पद्धति वाले बरसिंहसर में 2×120 मेगावाट के लिग्नाइट आधारित ताप विद्युत केन्द्र और अंता (चरण-2) में 430 मेगावाट के गैस आधारित केन्द्र, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा तकनीकी-आर्थिक दृष्टि से स्वीकृत कर दिए गए थे। अब बरसिंहसर परियोजना को निजी क्षेत्र में क्रियान्वित किए जाने का प्रस्ताव है और सभी गैस आधारित परियोजनाओं को मूलतः भार प्रचालन के रूप में अधिष्ठापित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसलिये इन दोनों परियोजनाओं का केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा पुनःमूल्यांकन किए जाने की आवश्यकता है।